

## लाज | By Sanjeev Sharma

थां बिन म्हारी श्याम कुण लाज बचावे रे  
लाज बचावे रे श्याम कुण हिवड़े लगावे रे

नाव है छोटी छोटी माझी खाये रयो हिचकोले  
कटे छिप्यो है श्याम बिहारी क्यों ना अँखियाँ खोले  
मुझ गरीब की नैया ने कुण पार लगावे रे

तेरो टाबर होकर कान्हा क्यों इतना दुःख पाऊं  
जितना सताले जी माँ थारी चौखट से ना जाऊं  
ओम की साँची प्रीत को यो यो ही न्याय चुकावे रे

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b2%e0%a4%be%e0%a4%9c-by-sanjeev-sharma/>